योजना के बारे में

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय एवं श्रम कार्यो हेतु ग्रामीण क्षेत्रों से गरीब परिवारों का आगमन होता है। नगरीय क्षेत्रों में रैन बसेरा/आश्रय स्थल का निर्माण कर अस्थायी आवास की व्यवस्था की जाती है, परन्तु भोजन की समुचित व्यवस्था न होने से गरीब परिवारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पडता है तथा कार्य एवं व्यवसाय की तलाश में आने वाले गरीब परिवारों को भोजन की व्यवस्था हेतु यहाँ-वहाँ भटकना पडता है। साथ ही कई गरीब शहरी परिवारों को भी वर्तमान में सस्ते दर पर पौष्टिक भोजन की व्यवस्था उपलब्ध नहीं हो पाती है। इसे दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में "दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना" प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों एवं 6 धार्मिक नगरी मैहर, अमरकंटक, महेश्रवर, ओमकारेश्रवर, चित्रकूट एवं ओरछा 100 रसोई केन्द्रों का संचालन आरम्भ किया गया ।

मध्यप्रदेश शासन

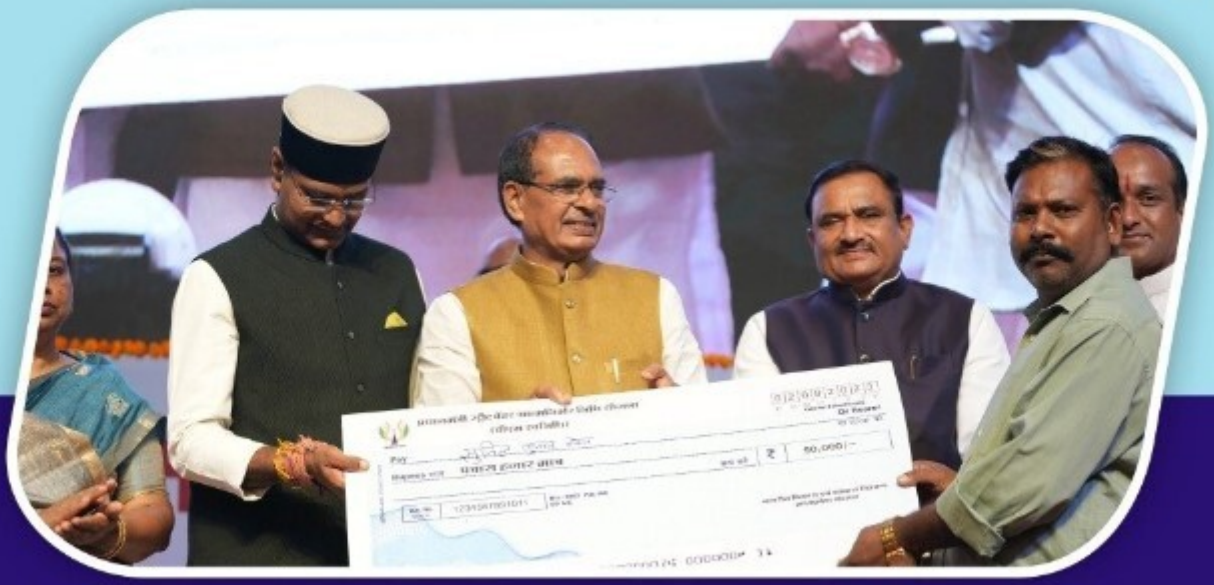

“

हमने 2017 में दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना शुरु की थी पहले ₹10 में भोजन मिलता था लेकिन अब गरीब मजदूर को ₹5 में भरपेट भोजन मिलेगा। आज 66 दीनदयाल रसोई केंद्रों का शुभारंभ किया गया है।

इसके साथ ही अब जहां मजदूर होंगे वहां चलित रसोई से भोजन पहुंचाया जाए जाएगा।

”

श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

66 नए दीनदयाल रसोई केंद्रों का शुभारंभ एवं 38,505 आवासहीनों को पट्टा वितरण कार्यक्रम

प्रदेश भाजपा सरकार का
महत्वपूर्ण निर्णय

दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना

की सफलता और व्यापक प्रभाव को देखते हुए **प्रदेश में 45 नए रसोई केंद्र स्थापित** किये जाएंगे।

मध्यप्रदेश में
दीनदयाल अंत्योदय रसोई केन्द्र
की संख्या हुई 145

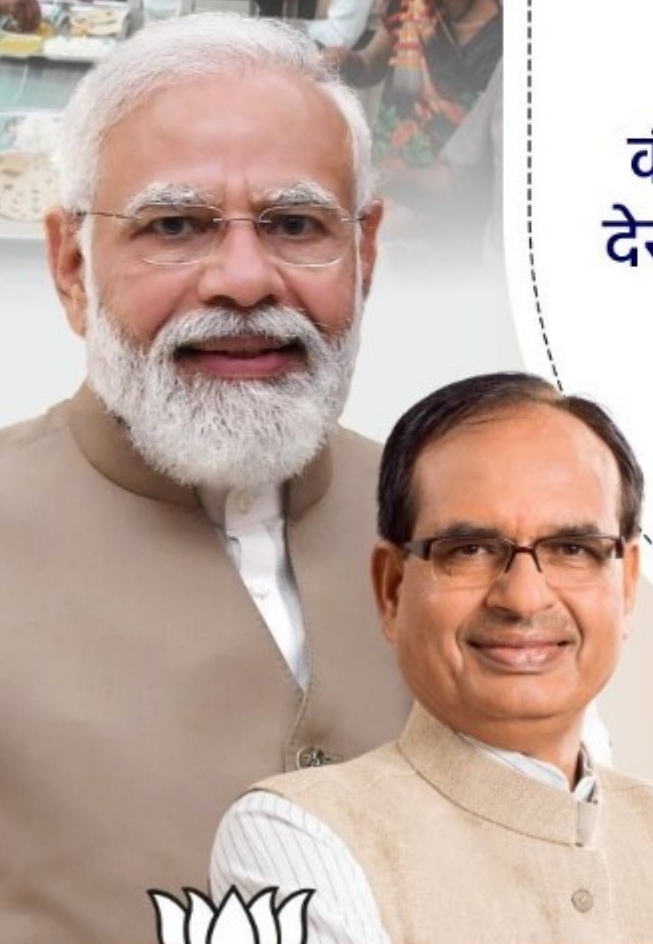

भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश

प्रदेश भाजपा सरकार की
दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना
से गरीबों को मिला भरपेट भोजन
इस योजना के माध्यम से मध्य प्रदेश के 2 करोड़ 15 लाख से अधिक नागरिकों को मात्र 10 रूपये में भोजन उपलब्ध कराया गया
यह दर अब 5 रूपये कर दी गई